आभारोक्ति

सर्वप्रथम मैं अपने माता –पिता का उनके अविभाज्य समर्थन और प्रार्थनाओं के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मेरे माता– पिता ही,सबसे पहले वह व्यक्ति हैं जिन्होंने मेरे सीखने के चरित्र की नींव रखी, मुझे बचपन से ही बौद्धिक खोज का आनंद दिखाया। इनके प्यार व देखभाल को शब्दों के माध्यम से सीमित नहीं किया जा सकता।

मैं मेरे मार्गदर्शक डॉ. शान्तेष कुमार सिंह सर, सह आचार्य (एसोसिएट प्रोफेसर)राजनीति विज्ञान विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने शोध प्रबंध को पूरा करने में मुझे निरंतर मार्गदर्शन, समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान किया। इस अनुसंधान की तैयारी के दौरान, उन्होंने उदारतापूर्वक अपना बहुमूल्य समय मेरे शोध के अध्यायों को पढ़ने और आवश्यक सुधार करने के लिए दिया।यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि उनके सहयोग के बिना यह कार्य समय पर पूरा नहीं हो पाता। शोध समस्या का पता लगाने में उनकी विशेषज्ञता मेरे लिए बेहद लाभदायक रही है। उनकी निरंतर मदद और प्रेरणा के लिए मैं उनका हृदय की अनंत गहराइयों से आभारी हूं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अकादमिक माहौल के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द कम हैं जहां इस कार्य ने अंतिम रूप लिया। मैं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, शास्त्री भवन के केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय, नई दिल्ली में रक्षा अध्ययन व विश्लेषण संस्थान जैसे पुस्तकालयों को उनके सहयोग व मूल्यवान सहायता के लिए धन्यवाद अर्पित करता हूं।

मैं, प्रशांत भैया व विनीता दीदी का उनके दृढ़ समर्थन, सहयोग और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। प्रशांत भैया ने मुझे हमेशा सकारात्मक विचारो से प्रभावित किया व विनीता जी ने हमेशा कार्य को गति देने के लिए मुझे प्रोत्साहित किया। मैं, नवनीत, वैभव और मनराज का अपने बहुमूल्य सुझावों के साथ मेरी सहायता करने के लिए धन्यवाद अर्पित करता हूँ। मैं हरियाणा केंद्रीय

विश्वविद्यालय में मेरे साथ शोध करने वाले सहपाठियों को भी विशेष धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने शोध के दौरान मेरी सहायता की।

शोध प्रबंध प्रस्तुत में प्रशासनिक सहायता प्रदान करने के लिए मैं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशासनिक विभाग के कर्मचारियों को भी अपना हार्दिक धन्यवाद देता हूं।